संगीत में शोध की संभावनाएं

डॉ० अंजुल मित्तल

इतिहास पक्ष के अंतर्गत किन्हीं बातों के विकास एवं ह्रास के क्रम को समझना ही इतिहास है। इसमें स्थापत्य, मूर्तिकला, मूर्तियाँ, शिलालेख, काव्य, अलंकार, शास्त्र, दर्शन आदि के साथ ऐतिहासिक ग्रन्थों को साथ रखकर देखने व उसका संगीत से संबंध जोड़ने का प्रयास कम ही हुआ है विभिन्न रियासतों के दस्तावेजों से उस देश काल के संगीत के इतिहास पर प्रकार डाला जा सकता हैं उक्तानुसार यह सत्य नहीं है कि संगीत का इतिहास केवल ग्रन्थों से ही प्राप्त होगा। अतः शोध कार्य में इस विषय की भी संभावना हो सकती है।

वास्तव मे पूछा जाए तो शोध का अर्थ ही अध्ययन, मनन और आत्मचिंतन द्वारा तथ्य विशेषों के निर्णयात्मक सिद्धान्तों की स्थापना करना हैं अर्थात् अतीत की खोज से वर्तमान को साकार करना ही शोध हैं।